केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में
16					

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4

99.1mm x 33.9mm x 16

Oddy

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

➔ प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

JAGESH SONI

C.K. Sourastriv

Mob.- 97357

V.No.

पृष्ठ 2 के अंक   कुल अंक

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र 01

(i) (ब) भी

(ii) (अ) 1556

(iii) (स) दो

(iv) (ब) अर्थालंकार

(v) (अ) भगत जी

(vi) (स) मराठी

B
S
E

③

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDU

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र 02

(i) जैनेन्द्र कुमार

(ii) तीन

(iii) पाठशाला

(iv) वेब दुनिया

(v) भार

(vi) व्यतिरेक

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र 03

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

(vi) असत्य

B
S
E

प्रश्न क.

BSE

उत्तर क्र. 04

'क'	'ख'
(i) कथानक	(क) कहानी
(ii) संस्कृत के मूल शब्द	(ई) तत्सम
(iii) यशोधर बाबू	(ड) सिल्वर वैडिंग
(iv) अंतरंग साक्षात्कार	(स) डायरी
(v) हरिवंशराय बच्चन	(द) हालावाद
(vi) प्रगतिवाद	(अ) 1936
(vii) यशोधरा	(ब) खण्डकाव्य

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 05

(i) ~~मो~~ मुअनजो-दड़ो ।

(ii) 15 से 30 मिनिट ।

(iii) धर्मवीर भारती ।

(iv) निर्वेद ।

(v) दुनिया रोज बनती है ।

(vi) दो ।

(vii) ~~मुश्किल~~ मुश्कील से निकलना ।

BSE

(7)

31 + 2 = 33

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 06

'भक्तिन' पाठ की लेखिका 'महादेवी वर्मा' भक्तिन के आ जाने से अधिक देहाती हो गई। भक्तिन एक देहाती महिला थी वह दूसरा को तो अपने अनुसार परिवर्तित कर लेती थी किन्तु स्वयं मे कोई परिवर्तन नहीं लाती। भक्तिन ने महादेवी को कम साधनों मे साधारण जीवन-जीना सीखाया। वह महादेवी को देहाती भोजन खिलाती थी। भक्तिन के आ जाने से महादेवी कुछ देहाती शब्द भी सीख गई थी।

(8)

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 8 के अंक | कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 07

आत्मकथा और जीवनी मे अंतर :-

आत्मकथा	जीवनी
1. आत्मकथा मे लेखक स्वयं के जीवन का वर्णन करता है।	जीवनी मे लेखक किसी अन्य व्यक्ति के जीवन का वर्णन करता है।
2. आत्मकथा कोई भी व्यक्ति स्वयं के जीवन पर लिख सकता है	जीवनी प्रायः महापुरुषो की लिखी जाती है।

B
S
E

(9)

36 + 3 = 39

पृष्ठ 9 के अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र 08

निपात शब्द :- किसी बात या वाक्य पर अत्यधिक बल देने के लिए जिन शब्दो का प्रयोग किया जाता है, वह शब्द निपात शब्द होते है।
~~उद~~ जैसे:- भी, तो आदि।

उत्तर क्र. 09

~~(i)~~ वाक्य परिवर्तन :-

(i) बालक रोया और चुप हो गया।

(ii) शायद मयूर वन में नाचता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र 10

मुअनजो-दड़ो सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर था। जिसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

(1) मुअनजो-दड़ो छोटे-मोटे टीलो पर आबाद था।
(2) मुअनजो-दड़ो नगर ग्रीड शैली मे बना था।

उत्तर क्र 11

समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय शैली उल्टा पिरामीड शैली है।

चित्र :-

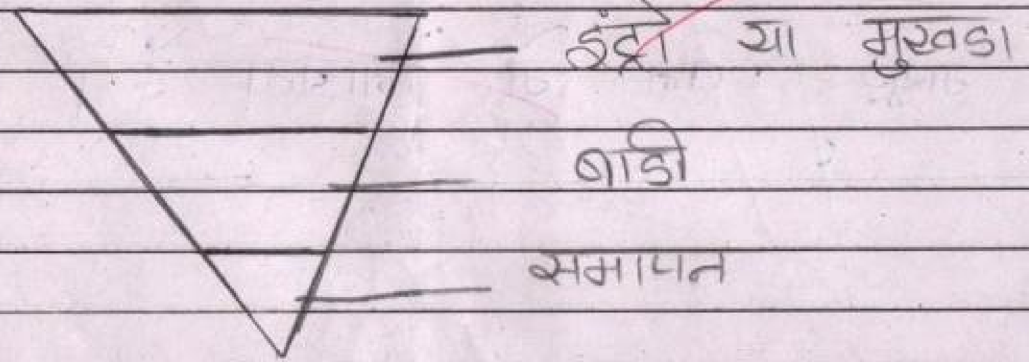

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 12

'हरिवंशराय बच्चन' द्वारा कृत कविता 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' में बच्चे अपने माता-पिता की प्रत्याशा में नीड़ों से झांक रहे होंगे। चीड़िया सवेरे से ही बच्चो के लिए दाने तलाश में निकल गई है। भूख से व्याकुल और माता-पिता ~~स~~ के वात्सल्य से वंचित बच्चे नीड़ से झांक रहे होंगे।

E

उत्तर क्र. 13

प्रयोगवाद के प्रवर्तक 'अज्ञेय' जी है।

प्रयोगवाद की विशेषताएं :-

(1) प्रयोगवाद की रचनाओं में नए-नए उपमानो का प्रयोग हुआ है।
2) प्रयोगवादी कवियों ने प्रेम का खुला चित्रण किया है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 14

दो महाकाव्य और उनके रचनाकार

महाकाव्य		रचनाकार
(1) कामायनी	-	जयशंकर प्रसाद
(2) रामचरितमानस	-	तुलसीदास

BSE

56 + 2 = 58

BSE EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 15

वीर रस :-

सहृदय के हृदय मे जब उत्साह नामक स्थाई भाव का ~~भा~~ जब विभाव, अनुभाव व संचारी भाव से संयोग होता है. वहाँ वीर रस की उत्पत्ति होती है।

उदाहरण :-

बुंदेले हरबोलो के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खुब लड़ी मर्दानी, वो तो झांसी वाली रानी थी।।

~ सुभद्रा कुमारी चौहान

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र 16

'महादेवी वर्मा'

(i) दो रचनाएँ :-
(1) यामा
(2) स्मृति के रेखाएँ

(ii) भाषा-शैली :-
महादेवी जी के सम्पूर्ण काव्य मे छायावाद का प्रभाव देखने को मिलता है। आपकी भाषा सहज सरल और सुबोध है। आपने उर्दू और फारसी के शब्दो का भी प्रयोग किया है। आपने आपके साहित्य मे तत्सम, तद्भव व देशज शब्दो का प्रयोग किया है। आपकी रचनाओ मे करुणा और वेदना की भावना है।
आपने मुख्य रूप से चित्रात्मक शैली को अपनाया है। चित्रात्मक के अलावा आपने भावात्मक, वर्णात्मक व संस्मरणात्मक शैली को अपनाया है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

(iii) साहित्य मे स्थान :-

महादेवी वर्मा छायावाद की आधार स्तम्भ मानी जाती है। करुणापूर्ण रचनाओं के कारण आपको आधुनिक युग या कलयुग की मीरा भी कहा जाता है। आपको 'यामा' संग्रह के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपकी कृतिया हिन्दी साहित्य की अमूल्य धरोहर है। एक विशिष्ट रचनाकार के रूप मे आप हिन्दी साहित्य मे सदैव स्मरणीय रहेंगी।

योग पूर्व पृष्ठ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 17

मुहावरा और लोकोक्ति मे तीन अंतर :-

मुहावरा	लोकोक्ति
1. मुहावरे वाक्यांश होते है ।	लोकोक्ति पूर्णवाक्य होती है ।
2. मुहावरे विकारी (परिवर्तनशील) होते है ।	लोकोक्ति अविकारी होती है ।
3. मुहावरे नित्य निर्मित होते है और प्रचलन मे आ जाते है ।	लोकोक्ति को प्रचलन मे आने मे समय लगता है ।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 18

'रघुवीर सहाय'

(i) दो रचनाएं :-
(1) लोग भूल गये है।
(2) हँसो हँसो जल्दी हँसो।

(ii) भाव पक्ष - कलापक्ष :-
सुप्रसिद्ध पत्रकार और रचनाकार रघुवीर सहाय ने मुख्यतः राष्ट्रीयता की रचनाएं की है। आपके काव्य का मुख्य विषय भ्रष्टाचार गरीबो व असहाय लोगों की वेदना रहा है। आपकी रचनाओं में मीडिया के अमानवीय कार्यों के प्रति विद्रोह का स्वर है।
आपके काव्य मे रस, छंद व अलंकारो का अत्यंत ही मनोहर प्रयोग हुआ है। आपकी बिंब योजना सटीक है।

B
S
E

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) साहित्य मे स्थान :-

सुप्रसिद्ध रचनाकार रघुवीर सहाय राष्ट्रीयता व देशप्रेम के कवि है। आप रचनाकार के साथ-साथ पत्रकार भी है। आपको साहित्य अकदेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपकी रचनाएं हिन्दी साहित्य की अमूल्य धरोहर है। आप हिन्दी साहित्य मे सदैव ध्रुव तारे के समान चमकते रहेंगे।

B S E

(19)

प्रश्न क्र.

B
S
E

उत्तर क्र 19

(i) शीर्षक —— 'राष्ट्रीय भावना'

(ii) राष्ट्रीय भावना मे ~~स~~ शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है।

(iii) 'सुदीर्घ' शब्द का अर्थ 'प्राचीन' है।

P.T.O

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 20

(i) संदर्भ:-
प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 के 'उषा' नामक पाठ से लिया गया है। इसके कवि ~~शमशेर~~ ~~समशेर~~ बहादुर सिंह है।

(ii) प्रसंग:-
प्रस्तुत पद्यांश मे सुर्योदय से पूर्व प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन हुआ है।

(iii) व्याख्या:-
प्रस्तुत पंक्तियो मे कवि कहते है कि अभी सुर्योदय नही हुआ है. अभी प्रातकाल का आकाश शंख जैसे ~~नील~~ नीले रंग के दिखाई दे रहा है। ~~प्रातकाल का~~। थोडी देर बाद भोर का नभ कैसा प्रतित हो रहा है जैसे किसी गॉव की स्त्री ने राख से चूल्हा लीपा हो, जो अभी गीला पडा है। थोडे समय बाद जब हल्की सी सूर्य की किरणे दिखाई

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

देने लगती है, तब ऐसा प्रतीत होता है जैसे किसी व्यक्ति ने काले रंग की सिला पर केसर मल के धुल दी हो। ~~ऐसा प्रत~~ नभ ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे धुली हुई सिला है।

(iv) काव्य सौन्दर्य :-

(1) प्रातः के नभ का चित्रण हुआ है।
(2) 'नीला शंख' मे रूपक अलंकार है।
(3) ~~सरह~~ सरल, सहज खड़ी बोली का प्रयोग हुआ है।
(4) दृश्य बिंब का प्रयोग हुआ है।

B S F

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 21

(i) संदर्भ :- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 के 'शिरीष के फूल' पाठ से लिया गया है। इसके रचेयता 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' जी है।

(ii) प्रसंग :- प्रस्तुत गद्यांश मे द्विवेदी जी ने शिरीष की कालजियता का वर्णन करते हुए उसकी तुलना एक सन्यासी से की है।

(iii) व्याख्या :- प्रस्तुत गद्यांश मे हजारी प्रसाद द्विवेदी जी कहते है कि शिरीष का पेड़ एक सन्यासी की तरह है जो सुख और दुख दोनो समय मे बिना विचलित हुए बिना एक समान बना रहता है। द्विवेदी जी कहते है कि जेठ के माह मे जब धरती और आसमान जलते रहते है। धरती

B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न क्र.

अग्नि का कुंड बनी होती है तब भी शिरीष सन्यासी की तरह बिना ~~विचलित~~ विचलित हुए बिना अजेयता का सन्देश देता रहता है। द्विवेदी जी कहते है कि न जाने यह पेड़ कहाँ से इसका रस खींचता है और हमेशा सन्यासी की तरह एक समान बना रहता है।

(iv) विशेष :-

(1) शिरीष के पेड़ को सन्यासी बताया गया है
(2) तत्सम युक्त खड़ी बोली का प्रयोग हुआ है।
(3) वाक्यो मे भावो की गहराई है।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. २२

सेवा मे,
श्रीमान निगमायुक्त महोदय,
उज्जैन
जिला - उज्जैन (म.प्र.)

विषय:- जल आपूर्ति करवाने हेतु आवेदन-पत्र।

महोदय,
श्रीमान जी से निवेदन है कि कुछ दिनो से राजीव मोहल्ले मे पानी की कमी आ रही है। मोहल्ले वालो को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।
अत: श्रीमान जी से निवेदन है कि जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति करवाने की कृपा करें।

धन्यवाद

प्रार्थी
सम्पूर्ण राजीव मोहल्ला
उज्जैन (म.प्र.)

दिनाँक:- 06/02/2024

B S E

योग पूर्व पृष्ठ
मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र 23

'प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव'

रूपरेखा :-

1. प्रस्तावना
2. पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार
3. पर्यावरण प्रदूषण के कारण
4. पर्यावरण प्रदूषण से हानियां
5. पर्यावरण प्रदूषण के निवारण
6. उपसंहार

"हम सबने ठाना है
पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है॥"

(1) प्रस्तावना :- पर्यावरण प्रदूषण दो शब्दों से मिलकर बना है - पर्यावरण और प्रदूषण । पर्यावरण का अर्थ होता है हमारे आसपास का वातावरण और प्रदूषण का अर्थ होता है - दूषित होना । अर्थात हमारे आसपास का वातावरण जब इतना

BSE

भारत प्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

दूषित हो जाये की वह मनुष्य के स्वस्थ के हानिकारक हो, इसे पर्यावरण प्रदूषण कहते है।

(2) पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार :-

पर्यावरण प्रदूषण मुख्य रूप से चार प्रकार का होता है।

(1) वायु प्रदूषण
(2) जल प्रदूषण
(3) ध्वनि प्रदूषण
(4) मृदा प्रदूषण

(3) पर्यावरण प्रदूषण के कारण :-

पर्यावरण विभिन्न करणो की वजह से प्रदूषित होता है, जिसमे सबसे प्रमुख काल-कारखने है। सड़क पर चलने वाले वाहनों के कारण भी पर्यावरण प्रदूषित होता है। खेती मे प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न रसायनो से मृदा प्रदूषण होता है।

B
S
E

77 77

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(4) पर्यावरण प्रदूषण से हानियाँ :- पर्यावरण प्रदूषण के कारण आज खुली हवा मे सांस लेना मुश्किल हो गया है। प्रदूषण के कारण मनुष्य को विभिन्न तरह के रोगो से पीड़ित होना पड़ता है। मृदा प्रदूषण के कारण आज धरती बंजर हो गई है। ध्वनि प्रदूषण के कारण बहरापान और मानसिक तनाव होता है।

B
S
E

(5) पर्यावरण प्रदूषण के निवारण :- पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। काल - कारखानो को शहरो से दूर स्थापित करना चाहिए। खेती मे रसायनिक खाद के स्थान पर जैविक खाद का प्रयोग करना चाहिए।

N

P.T.O

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(6) उपसंहार :-

पर्यावरण यदि ऐसे ही प्रदूषत होता रहा तो मानव जाति का विनाश निकट है। यह हमारे हाथों मे है कि हमे हमारे पर्यावरण को बचाना है। यदि हम अभी प्रदूषण को कम नही करेंगे तो आने वाले समय मे हमे और कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

"पर्यावरण बचाओ, प्रदूषण घटाओ"

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 19

(i) शीर्षक — 'हम ~~भारतवासि~~ भारतवसि'

(ii) भारतवासी दानी, सत्यवादी, शांत, और अतिथि का ~~सम~~ सम्मान करने वाले है।

(iii) हम अपने देश पर सर्वस्व न्यौछावर कर सकते है।